

प्रधानमंत्री द्वारा 3 अंतरिक्ष अवसंरचना परियोजनाओं और 'एस्ट्रोनाट वगिस' का उद्घाटन

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने तीन महत्त्वपूर्ण अंतरिक्ष अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया: सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा में **SLV इंटीग्रेशन**

- **फैसिलिटी (PIF)**; ISRO प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स, महेंद्रगिरि में नवीन 'सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट (SIEST) फैसिलिटी'; वकिरम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, त्रिवनंतपुरम में 'ट्राइसोनिक वडि टनल'।
- ये सभी अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाएंगे जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिये भारत के दृष्टिकोण को समर्थन मिलेगा।
 - PIF **PSLV प्रक्षेपणों** को सालाना 6 से बढ़ाकर 15 करेगा और SSLV व अन्य छोटे प्रक्षेपण वाहनों का समर्थन करेगा।
 - SIEST फैसिलिटी **सेमी-क्रायोजेनिक इंजन** विकसित करेगी, जो पेलोड क्षमता को बढ़ाएगी, जिसमें 200 टन तक के थ्रस्ट वाले इंजनों का परीक्षण करने की क्षमता होगी।
 - **ट्राइसोनिक वडि टनल** रॉकेट और विमानों के लिये वायुगतिकीय परीक्षण में एक उपलब्धि है।
 - ये सुवर्धित **गगनयान मशिन** के लिये भी महत्त्वपूर्ण हैं।
- साथ ही प्रधानमंत्री ने गगनयान मशिन के लिये चुने गए 4 पायलटों के नामों की घोषणा की और उन्हें 'एस्ट्रोनाट वगिस' प्रदान किये।
 - गगनयान मशिन के लिये नामित पायलट- **गुरुप कैप्टन पी. बालाकृष्णन नायर, गुरुप कैप्टन अजीत कृष्णन, गुरुप कैप्टन अंगद प्रताप और वगि कमांडर एस. शुक्ला** हैं।

और पढ़ें: गगनयान मशिन